ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया
2023-24

हमारे बारे में

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया (एचपीपीआई), विकास कार्यो से जुड़ा एक संगठन है, इसका प्रमुख कार्यक्रम क्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरणीय स्थिरता और आजीविका एवं सामुदायिक विकास को प्रोत्साहित करना है। एचपीपीआई सार्वजनिक स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के साथ मिलकर काम करता है, पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है और स्थायी आजीविका के विकल्प उत्पन्न कर नए अवसर प्रदान करता है।

वर्ष 2023-24 में हमने अपनी 25वीं वर्षगांठ मनाई है। पिछले 25 सालों में हमने 250 से अधिक सहभागीदारों के साथ मिलकर 380 लाख से अधिक लोगों के साथ काम किया है। पिछले वर्ष हमने 15 राज्यों के 121 जिलों में 11,000 गांवों के साथ काम किया, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 34 लाख से अधिक लोगों तक पहुँच बनाई।

हमारी प्रत्येक परियोजना सामुदायिक समस्याओं के समाधान के लिए स्पष्ट उद्देश्यों द्वारा निर्देशित होती है, यह लोगों के बीच संगठन का निर्माण करते हुए टीमवर्क को बढ़ावा देने, तथा संवाद और सहयोग के माध्यम से मुद्दों का समाधान करने में अत्यंत आवश्यक है।

एचपीपीआई के कार्यक्रम भारत सरकार के विकास एजेंडे और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप है।

एचपीपीआई एक गैर-राजनीतिक और गैर-धार्मिक संस्था है, जो कि नागरिक समाज के हिस्से के रूप में वंचित लोगों और समुदायों की क्षमताओं को मजबूत करते हुए उनके जीवन को बेहतर बनाने का काम करता है।

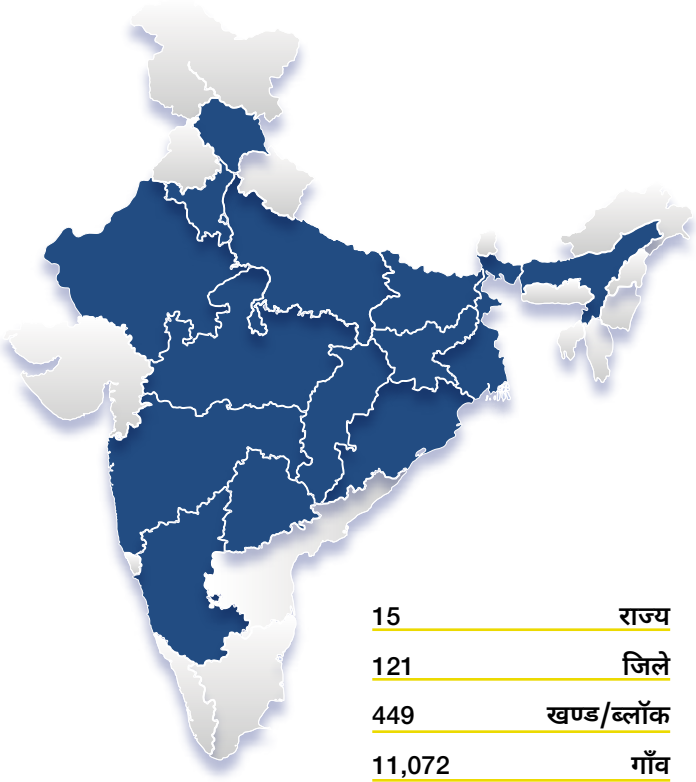

15	राज्य
121	जिले
449	खण्ड/ब्लॉक
11,072	गाँव
34 लाख	लोग

शिक्षा

एचपीपीआई के शिक्षा कार्यक्रम सेवा-पूर्व और सेवारत शिक्षकों, प्री-स्कूल, प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल स्तर के बच्चों, शिक्षा से वंचित बच्चों तथा महिलाओं को कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करने के लिए तैयार किए गए हैं।

हमारे मुख्य कार्यक्रम:

- **आवश्यक शिक्षक प्रशिक्षण (एनईटीटी)** कार्यक्रम सरकारी संस्थानों में छात्र-अध्यापकों को प्रशिक्षित करता है, उन्हें कौशल और उपकरण प्रदान करता है, जिससे कि अपने छात्रों को सीखने की प्रक्रिया के केंद्र में रख सके ।
- **कदम कार्यक्रम** स्कूल से वंचित बच्चों में शिक्षा की कमी को पूरा करने के लिए एक ब्रिज प्रोग्राम है। यह कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों द्वारा भी अपनाया जाता है ताकि स्कूल के बच्चों को उनकी आयु के अनुसार सीखने का स्तर प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा सके।
- **संभावना कार्यक्रम** स्व-प्रेरित सीखने के लिए एक ठोस आधार प्रदान करता है और उच्च प्राथमिक स्तर के उन बच्चों की ज़रूरतों को पूरा करता है जो अपने सीखने के स्तर में पिछड़े हुए हैं।
- **पोफ़ (पीओएफ)** कार्यक्रम 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए उनके संज्ञानात्मक और पेशीय कौशल के विकास को उत्प्रेरित करने के लिए तैयार किया गया है। इसे आंगनवाड़ी केंद्रों और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) सुविधाओं के तहत शामिल किया जा सकता है।

उपलब्धियां 2023-24

808	6,153	6,120	140,895
लड़कियां बालिका शिक्षा कार्यक्रम से लाभान्वित हुईं	छात्र-अध्यापक एनईटीटी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण ले रहे हैं	शिक्षक और शिक्षा स्वयंसेवक कदम कार्यक्रम में शामिल हुए	स्कूल से वंचित और स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों तक कदम कार्यक्रम पहुँचा

स्वास्थ्य

एचपीपीआई की स्वास्थ्य परियोजनाएं जोखिम में जीने वाले समुदायों के लोगों को शिक्षित और सक्रिय रूप से जांच करके स्थानीय सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में निदान और उपचार की सुविधा प्रदान करते हुए संचालित होती हैं। हम उपेक्षित शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में क्षमता संवर्धन, जागरूकता बढ़ाने, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सहयोग द्वारा मजबूत करने तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और रोगी-सहायक प्रणाली विकसित करने का काम करते हैं।

हमारे मुख्य कार्यक्रम:

- **क्षय रोग (टीबी):** शहरी टीबी पहल में एचपीपीआई राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के मजबूत भागीदारों में से एक बन गया है। वर्ष 2023-24 में हमने चार महानगरों: दिल्ली, हावड़ा, हैदराबाद और पेरी-अर्बन मुंबई में बेघर, प्रवासी और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के बीच टीबी संक्रमण को फैलने से रोकने का काम किया हैं।
- **एचआईवी/एड्स:** वर्ष 2002 से हम सार्वजनिक और निजी भागीदारों के साथ मिलकर संक्रमित और प्रभावित लोगों के साथ काम करते हुए एचआईवी और एड्स के खिलाफ लड़ाई में संघर्षरत हैं।
- **मातृत्व, नवजात, बाल स्वास्थ्य और पोषण:** हम स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से बुनियादी प्रजनन और बाल स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करते हैं, जो प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल, बच्चों में कृमि मुक्ति, नियमित टीकाकरण, किशोर-अनुकूल स्वास्थ्य और महिलाओं में आम पोषण संबंधी अन्य कमियों से संबंधित कार्यक्रमों का संचालन करते हैं।

उपलब्धियां 2023-24

43,147	6,204	5,084	638,633
शहरी अनौपचारिक बस्तियों के लोगों ने स्वास्थ्य शिविरों में भाग लिया	स्वास्थ्य क्लबों में महिलाएं सक्रिय है	बच्चों और महिलाओं को आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से सहायता दी गई	लोगों की टीबी की जांच और टीबी के बारे में जानकारी दी गई

पर्यावरण

हमारे पर्यावरण सम्बन्धी स्थाई कार्यक्रमों में स्वच्छता, गांवों और स्कूलों में अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों में सुधार, वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छ ऊर्जा उपाय और सुरक्षित पेयजल तक पहुंच सुनिश्चित करना शामिल है। हमारी परियोजनाओं का कार्यान्वयन पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक अभियानों के अनेक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रदर्शित करती हैं।

- **छोटे और सीमांत किसानों के साथ मिलकर आदर्श गाँव बनाना:** हरियाणा में हमने 600 किसानों के साथ मिलकर बिना कीटनाशकों के सब्जियाँ और फसलें उगाकर आदर्श खेती के नमुने प्रदर्शित किये। 5 गाँवों में सौर ऊर्जा से चलने वाले सामुदायिक जल निस्पंदन संयंत्र स्थापित किए, जिससे 5,500 लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हुआ। इन गाँवों में बायोगैस संयंत्र लगाने की भी शुरुआत की।
- **कर्मचारी पर्यावरण सहभागिता:** सहयोगी संगठनों के 500 से अधिक कर्मचारियों ने विभिन्न परियोजना स्थलों पर वृक्षारोपण अभियान, पार्क की सफाई और जीर्णोद्धार तथा समुद्र तट की सफाई जैसी गतिविधियों में भाग लिया।
- **वृक्षारोपण और पर्यावरण-साक्षरता:** सभी परियोजनाओं में 69,000 पेड़ लगाए गए। हम युवाओं के साथ मिलकर अपने शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण-साक्षरता गतिविधियों का भी विस्तार कर रहे हैं।

उपलब्धियां 2023-24

146,523	365	69,000	36
बच्चों और वयस्कों ने पर्यावरण शिक्षा में भाग लिया	हेक्टेयर भूमि को जैविक कृषि के अंतर्गत लाया गया	पेड़ लगाए गए	बायोगैस संयंत्रों का निर्माण किया

आजीविका और सामुदायिक विकास

आजीविका और सामुदायिक विकास परियोजनाओं में हम शहरी वंचित समुदायों, जैसे बेघर, प्रवासी और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के साथ काम करते हैं। हम व्यक्तियों और समूहों के लिए क्षमता निर्माण के साथ-साथ सामूहिक रूप से आयोजित गतिविधियों के माध्यम से उनके जीवन और आजीविका को बेहतर बनाने में उनका सहयोग करते हैं। वर्ष 2023-24 में हमने 5 राज्यों में सामुदायिक विकास परियोजनाओं को कार्यान्वित किया।

- **सक्रिय महिलाएँ और लैंगिक समानता:** एचपीपीआई ने झारखंड में महिला एवं बाल विकास विभाग की तेजस्विनी परियोजना के लिए साढ़े चार साल तक सेवा प्रदान की। इस परियोजना द्वारा तेजस्विनी क्लबों का गठन कर उन्हें सॉफ्ट स्किल (जीवन कौशल) प्रशिक्षण, वित्तीय साक्षरता और अधिकारों तथा स्वास्थ्य एवं पोषण पर शिक्षा प्रदान की।
- **प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को उद्यमिता योग्य बनाना:** एचपीपीआई ने हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में तीन वर्षीय दिशा परियोजना पूरी की, जिसमें 10 जिलों की 7,200 महिलाओं को उद्यमिता प्रशिक्षण प्रदान किया। असम में, परियोजना का विस्तार तीन जिलों तक हुआ, जिसमें 7,171 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया और 1,665 को व्यवसाय शुरू करने में सहायता प्रदान की ।

  वर्ष 2023 के अंत में ब्रिज आईटी की नई परियोजना शुरू की गई, जिसके तहत 1,400 गांवों की महिलाओं को कॉमन सर्विस सेंटर स्थापित करने में सहयोग कर रहे हैं जो अब झारखंड, बिहार और राजस्थान के 14 जिलों तक पहुंच रही हैं।

उपलब्धियां 2023-24

4,169	2,089	2,143	442,084
महिलाओं ने अपने छोटे उद्यम शुरू एवं उनका विस्तार किया	महिलाओं और युवाओं ने कौशल प्रशिक्षण में भाग लिया	महिलाओं ने वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण में भाग लिया	लोग विभिन्न सामुदायिक विकास परियोजनाओं में शामिल हुए

निदेशक मंडल

डॉ अकुला पद्मावती
संस्थापक सदस्य एवं अध्यक्ष

संजीव भट्ट
निदेशक

कैलाश खंडेलवाल
निदेशक

वेद प्रकाश यादव
निदेशक

प्रभा सती
स्वतंत्र निदेशक

सम्राट रॉय
स्वतंत्र निदेशक

वित्तीय विवरण

2023-2024

अनुदान एवं अन्य स्त्रातों से आय
₹70.99 करोड़ (₹70,99,16,664)

वित्त प्राप्ति के स्रोत

संगठन और फ़ाउंडेशन	40.68%
ह्यूमाना पीपल टू पीपल सदस्य संगठन	22.32%
सरकार/डब्ल्यू बी	19.19%
कंपनियाँ/सीएसआर	16.78%
अन्य	1.03%
	100%

निधि का व्यय

आजीविका और सामुदायिक विकास	46.9%
शिक्षा	39.6%
स्वास्थ्य	12.7%
पर्यावरण स्थिरता	0.8%
	100%

साझेदारियां

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया विकास के कार्यो के लिए कई साझेदारों: भारत सरकार और राज्य सरकारें, अन्तर्राष्ट्रीय सरकारें, सीएसआर पहल के माध्यम से निजी कंपनियों तथा राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय फाउंडेशन और संगठनों के साथ मिलकर काम करता है ।

संचालन

प्रबंधन

समावेशी सामाजिक उन्नति पर केंद्रित एक विकास संगठन के रूप में, एचपीपीआई संस्थागत और परिचालन शासन की एक मजबूत प्रणाली का पालन करता है। संगठन का समग्र प्रबंधन निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है। सुशासन की सर्वोत्तम अन्तर्राष्ट्रीय प्रथाओं के अनुरूप एचपीपीआई के निदेशक मंडल में कार्यकारी, गैर-कार्यकारी और स्वतंत्र निदेशकों का मिश्रण है।

एचपीपीआई अपनी प्रक्रियाओं और कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता के उच्चतम स्तर के लिए प्रतिबद्ध है।

SGS VERIFIED
NGO Benchmarking
A voluntary system measuring Accountability to Stakeholders and Compliance with Best Practices
www.sgs.com/ngo

ह्यूमाना पीपल टू पीपल मूवमेंट

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया इंटरनेशनल ह्यूमाना पीपल टू पीपल मूवमेंट से जुड़े संगठन का सदस्य है, जो अन्तर्राष्ट्रीय एकजुटता, सहयोग और विकास में लगे गैर-लाभकारी संगठनों का एक नेटवर्क है। वर्तमान में ह्यूमाना पीपल टू पीपल फेडरेशन के 29 स्वतंत्र संघ सदस्य हैं, जो कि 5 महाद्वीपों अफ्रीका, एशिया, यूरोप तथा उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका में स्थित 46 देशों में सालाना 17.9 मिलियन से अधिक लोगों तक पहुँचते हैं।

ह्यूमाना पीपल टू पीपल की गतिविधियाँ संयुक्त राष्ट्र के एजेंडा 2030 के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य मानव क्षमता का निर्माण करना और लोगों को एकजुट कर उनके और समुदायों के जीवन को बेहतर बनाने वाले बदलाव करने के लिए प्रोत्साहित करना हैं।

Follow us on

info@humana-india.org
www.humana-india.org

111/9-जेड, अरुणा आसफ अली मार्ग, किशनगढ़ गांव, वसंत कुंज, नई दिल्ली, दिल्ली 110070
फोन नंबर: 011-47462222

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 के तहत पंजीकृत
विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम, 2010 के तहत पंजीकृत
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12ए और 80जी के तहत पंजीकृत